अंतरिक्ष यात्रियों के लिए पैराशूट बनाने का कानपुर को मिला ऑर्डर

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की पृथ्वी पर सफल लैंडिंग पैराशूट के माध्यम से करते पूरी दुनिया ने देखा। यह सुविधा अभी अमेरिका, रूस और चीन के पास ही है लेकिन जल्द ही भारत भी अपने मिशन गगनयान के अंतरिक्ष यात्रियों को स्वदेशी पैराशूट से लैस कर अंतरिक्ष भेजेगा। आपात स्थिति में कैप्सूल की लैंडिंग कराने वाले पैराशूट को बनाने का ऑर्डर कानपुर को मिल चुका है। कानपुर स्थित रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनी ट्रूप कंफर्ट्स लिमिटेड की हजरतपुर स्थित रक्षा उत्पादन इकाई ओईएफ में वह पैराशूट बनाए जा रहे हैं।

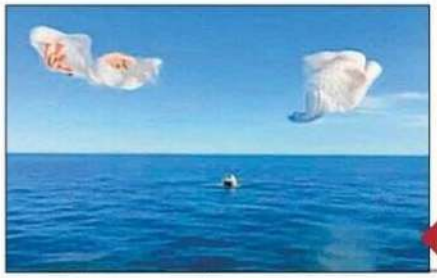

- सुनीता विलियम्स के अंतरिक्ष यान के कैप्सूल लैंडिंग जैसी कराएगा लैंडिंग
- इसरो के मिशन गगनयान के लिए कानपुर की टीसीएल को मिला है ऑर्डर

अमेरिका के फ्लोरिडा में अंतरिक्ष यान के कैप्सूल की लैंडिंग कराई गई।

ओपीएफ के पैराशूट का लोहा मान रही दुनिया

मिशन गगनयान के अंतरिक्ष यान के लिए पैराशूट भले ही ओईएफ हजरतपुर में बन रहे हों लेकिन कानपुर ऑर्डिनेंस पैराशूट फैक्ट्री में बन रहे हर तरह के पैराशूटों की मांग देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में है। सुखोई-30 विमान के ब्रेक पैराशूट की मांग दुनिया भर में है। ऑर्डिनेंस पैराशूट फैक्ट्री से सुखाई-30 पहली बार विदेशी मांग पर भेजा गया है लेकिन हॉक समेत दूसरे फाइटर प्लेन के ब्रेक पैराशूटों की धाक दुनिया के कई देशों में हैं। मलेशिया के अलावा उज्बेकिस्तान, वियतनाम, बुलगारिया, इंडोनिशया और कजाखिस्तान जैसे देशों की एयरफोर्स कानपुर में बने पैराशूटों, ब्रेक पैराशूटों, ड्रॉपिंग पैराशूट आदि का इस्तेमाल कर रही हैं। सुखोई समेत कई तेज गति युद्धक विमानों के ब्रेक पैराशूट के साथ लॉजिस्टिक व जवानों को ऊंचाई से सुरक्षित उतारने वाले गजराज-पीटीए-जी2, एमसीपीएस पैराशूट भारतीय सेना और वायुसेना के लिए तैयार होते हैं।

एडीआरडीई की डिजाइन पर इसे इसरो के लिए तैयार किया जा रहा है। इसका काम लगभग पूरा हो चुका है।

अंतरिक्ष यान के कैप्सूल में होंगे तीन यात्री : रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की इकाई हवाई वितरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एडीआरडीई) की डिजाइन पर बन रहे यह विशेष पैराशूट अग्निरोधक, मजबूत नायलोन टेक्सटाइल और मजबूत टेप से लैस होंगे। यह पैराशूट सिस्टम कम वजन का होगा। चार पैराशूट बनाकर इसरो को दिए जाएंगे। इसरो के अंतरिक्ष यान में कैप्सूल में तीन अंतरिक्ष यात्री जाएंगे। इस मिशन के लिए ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, अंगद प्रताप, अजीत कृष्णन, विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला को चुना गया है। मिशन के दौरान अंतरिक्ष यान जमीन से करीब 400 किमी की ऊंचाई पर धरती के चारों तरफ निचली कक्षा के चक्कर लगाएगा। तीनों अंतरिक्ष यात्री क्रू मॉड्यूल यानी एक तरह के कैप्सूल में रहेंगे। जब मिशन पूरा हो जाएगा तो उन्हें इस मॉड्यूल को सुरक्षित समुद्र में उतारना है। यदि तकनीकी दिक्कत आती है तो वे विशेष पैराशूट सिस्टम को खोल जमीन में सुरक्षित आ सकेंगे।